अमृत वचन

सुखपाल शर्मा
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की।

- मुसीबत के दिनों में अजीब लोगों से जान पहचान हो जाती है।
- मनुष्य की सबसे बड़ी विजय मन की कमजोरियों पर विजय पाना है।
- विश्वास से बढ़कर कोई दवा नहीं, इलाज तो एक बहाना है।
- गरीबी लज्जा नहीं, परन्तु गरीबी से लज्जित होना लज्जा की बात है।
- भय सदा अज्ञानता से पैदा होता है।
- मनुष्य जिससे डरता है, उसे प्रेम नहीं करता।
- विनय के बिना अभिमान से किया गया तप भी व्यर्थ ही होता है।
- दया वह भाषा है, जिसे गूंगे भी समझ सकते हैं और बहरे सुन सकते हैं।
- धन पाकर फूलना नहीं चाहिये, विद्वान होकर अहंकार नहीं करना चाहिये।
- जो अपने आपको सबसे बुद्धिमान समझता है, वह सबसे बड़ा मूर्ख होता है।
- स्पष्ट कहने वाला छली नहीं होता।
- उस आदमी पर कभी विश्वास न करो, जो प्रशंसा के पुल बांध दे।
- संसार की दो बड़ी करूणता–बिना माँ का घर और घर बिना माँ।
- घमण्डी आदमी बेहद शक्की होता है।
- प्रसन्नता सही ढंग से सोचने का परिणाम है।
- जो दूसरों के भरोसे रहते हैं, उन्हें जीवन में सफलता नहीं मिलती।
- प्रतिष्ठा का भाव अहंकार है, इस पर विजय प्राप्त करें।